Vol 5 Issue 10 July 2016

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Sanjeev Kumar Mishra

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Awadhesh Kumar Shirotriya

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.oldror.lbp.world

ISSN: 2249-894X Impact Factor : 3.1402(UIF) Volume - 5 | Issue - 10 | July - 2016

Review Of Research

ग्रामीण महिला सशक्तिकरण एवं सरकारी नीतियाँ (धार जिले की नर्मदा झाबुआ ग्रामीण विकास बैंक के विशेष संदर्भ में)

डॉ. मीनाक्षी नोरके
पी.–एच.डी. (अर्थशास्त्र) , देवी अहिल्या विश्वविघालय इंदौर.

प्रस्तावना

प्राचीन काल से ही महिलाएँ हमारे देश के विकास और उसकी प्रगति में अपना अमूल्य किन्तु मूक योगदान देती रही है। कृषि क्षेत्र की उन्नति में उनका बड़ा हाथ है। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में कृषि एवं पशुपालन तथा उससे संबंधित उद्योग ही ग्राम में अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। हमारे देश में कुल कृषि कार्य का लगभग 70 प्रतिशत कार्य महिलाओं द्वारा किया जाता

है। वे फसल उगने से पूर्व की तैयारी जैसे–बीजों की बुवाई, पौधों की रोपाई, खरपतवार नियंत्रण, फसल की कटाई, निदाई, गुड़ाई आदि समस्त कार्यों में अपना योगदान देती है। कुछ वर्षों में हुई सामाजिक परिवर्तन के कारण व नगरीकरण की तीव्र प्रक्रिया के फलस्वरुप हमारे देश के ग्रामीण युवकों का नगरों की ओर पलायन बढ़ा है। वे अपना पैतृक कृषि कार्य छोड़कर मजबूरी तथा अन्य कार्यों के लिये शहर आ जाते हैं और उनकी अनुपस्थिति में उनके पैतृक व्यवसाय एवं खेती की पूर्ण जिम्मेदारी महिलाओं पर आ जाती है। इसलिए पिछले कुछ वर्षों से देखा गया है कि लगभग 86 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएँ खेती का कार्य कर रही है। वे कृषक पुरुषों से भी अधिक अर्थात 14 से 18 घंटे कृषि कार्य कर रही है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर सरकार द्वारा कई योजनाएँ ग्रामीण महिलाओं के लिए चलाई जा रही है।

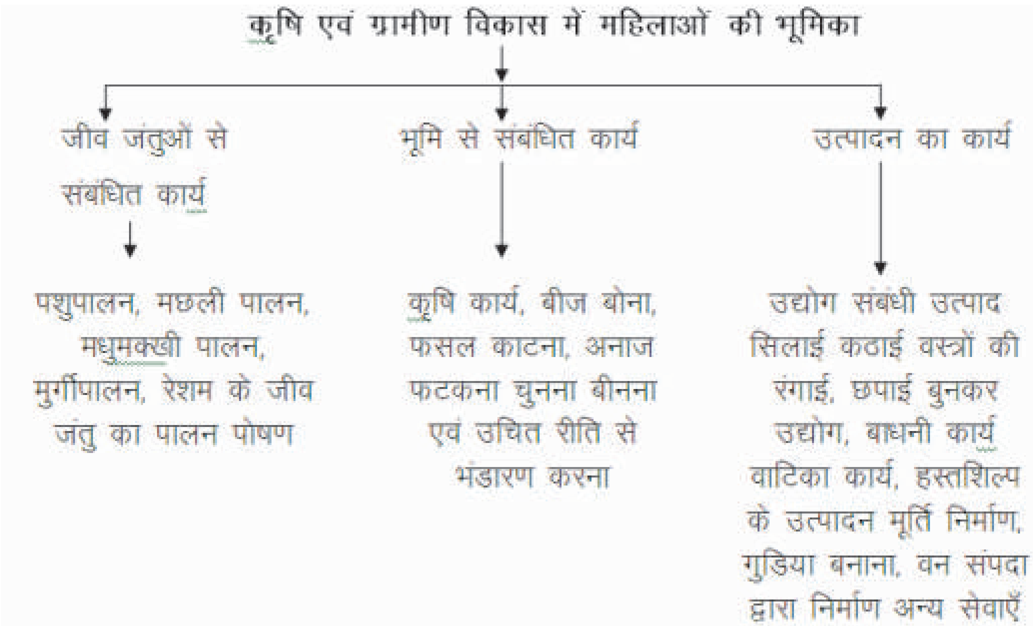

इन सभी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए महिलाओं के बैंक द्वारा प्राथमिकता से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इन उद्देश्यों को बैंक की नई योजनाओं में शामिल किया गया है।

शोध अध्ययन का औचित्य

नर्मदा झाबुआ ग्रामीण विकास बैंक द्वारा कृषि एवं अकृषि क्षेत्र हेतु महिलाओं को 5 वर्षों में (2011–12 से 2015–16) में प्रदान किये गये, ऋणों का अध्ययन करने के लिए शोध विषय का चुनाव किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. बैंक द्वारा महिलाओं को प्रदान किये जा रहे कृषि एवं अकृषि ऋणों का अध्ययन करना।
2. कृषि एवं अकृषि क्षेत्र हेतु प्रदान किये गये ऋणों की वसूली का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीय समंकों जैसे बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन, बैंक के ऋण मेन्युअल, संदर्भित पुस्तकें, पत्र–पत्रिकाओं आदि के आधार पर आवश्यक विवरणात्मक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। यह आंकड़े प्रत्यक्ष रुप से ऋण अधिकारियों से कुल सदस्यों में महिलाओं की संख्या के आधार पर से लिये गये है।

शोध की सीमाएँ

1. बैंक द्वारा कृषि एवं अकृषि क्षेत्र हेतु केवल महिला सदस्यों को दिये गये ऋणों का ही अध्ययन किया गया है।
2. केवल 5 वर्षों में बैंक द्वारा प्रदान किये गये ऋणों का ही अध्ययन किया गया है।

अध्ययन का क्षेत्र

इस शोध विषय के अध्ययन में धार जिलें की नर्मदा झाबुआ ग्रामीण विकास बैंक द्वारा कृषि एवं अकृषि क्षेत्र हेतु महिलाओं को प्रदान किये गये ऋणों का विश्लेषण किया गया है। इस हेतु केवल 5 वर्ष की अवधि एवं धार जिला ही लिया गया है।

बैंक द्वारा प्रदत्त सेवाएँ :–

1.कृषि क्षेत्र में :–(अ) लघु सिंचाई : कूप निर्माण, पुराने कुओं की मरम्मत, डीजल/विद्युत पम्पसेट, नलकूप, बोरवेल सबमर्सिबल पम्प स्प्रिंक्लर, ड्रिप सिंचाई, जनरेटर सेट, उद्दवटन सिंचाई आदि।

(ब) कृषि यंत्रीकरण :– ट्रेक्टर ट्राली, कल्टीवेटर, सीड ड्रिल, पावर ट्रिलर थ्रेसर आदि।
(स) विधिकृत प्रयोजन :– डेयरी, मछली पालन, पशुपालन, बैल गाड़ी वानिकी एवं पड़त भूमि का विकास, भूमि क्रय योजना, बागवानी बायोगैस, गोबर गैस आदि।
(द) कृषि उपज व अन्य उत्पाद के भंडारण हेतु गोदाम निर्माण, प्याज गोदाम तथा कोल्ड स्टोरेज निर्माण के लिए ऋण
(इ) अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के कृषकों के लिए वर्षाजल संग्रहण योजना।

2.गैर कृषि क्षेत्र हेतु :–

(क) लघु कुटीर उद्योग
(ख) खादी ग्रामोद्योग आयोग की सहायता प्राप्त योजनाओं हेतु ऋण
(ग) स्टोरेज एवं मण्डी प्रांगण हेतु
(घ) भारत शासन की स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ऋण
(ड) औषधीय एवं सुगन्धित पौधों का उत्पादन एवं प्रसंस्करण

उपर्यक्त वर्णित प्रयोजनों के अतिरिक्त ऐसे सभी प्रयोजन जो रोजगार मूलक हो व कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित हो तथा तकनीकी एवं आर्थिक दृष्टिकोण से उपादेय हो।

नर्मदा झाबुआ ग्रामीण विकास बैंक द्वारा महिलाओं को दिये गये ऋण एवं वसूली का विवरण

तालिका क्रमांक 1.1
महिलाओं को वितरित किये गये ऋण एवं वसूली का विश्लेषण

वर्ष	महिला हितग्राहियों की संख्या	ऋण वितरण कार्यक्रम				ऋण वसूली कार्यक्रम		
		प्रस्तावित ऋण		वास्तविक ऋण				
		कुल प्रस्तावित ऋण	महिलाओं हेतु ऋण	कुल वास्तविक ऋण	महिलाओं हेतु ऋण	कुल मांग	वास्तविक वसूली	वसूली प्रतिशत
2011–12	39	1000	80.16	363.28	29.12	18.93	9.32	32
2012–13	26	467	37.37	183.97	14.72	8.54	8.24	56
2013–14	81	554	44.20	581.50	46.40	34.8	12.53	27
2014–15	68	490	39.24	547.49	43.84	32.88	13.15	30
2015–16	19			184.42	14.72	14.72	3.24	22

तालिका क्रमांक 1.2
वर्ष 2012–13 से 2016–17 तक राशि लाखों में

वर्ष	वितरित ऋण राशि	निर्देशांक वर्ष 2002–03	+ वृद्धि – कमी	वार्षिक वसूली राशि	निर्देशांक वर्ष 2002–03	+ वृद्धि – कमी
2011–12	29.12	25.72	–74.28	9.32	11.59	–88.40
2012–13	14.72	13.00	–87.00	8.24	10.24	–89.75
2013–14	46.40	40.98	–59.02	12.53	15.57	–84.42
2014–15	43.84	38.72	–61.28	13.15	16.34	–83.65
2015–16	14.72	13.00	–87.00	3.24	4.02	–95.97

निष्कर्ष एवं सुझाव

जिले में सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों की स्थापना कृषकों की दीर्घकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु की गई है, यह दायित्व बैंक पूरी ईमानदारी से निर्वाह कर रहे है। इसी कारण यह दीर्घकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति का सशक्त माध्यम बने हुये हैं, महिलाओं हेतु बैंक में विशेष ऋण वितरण लक्ष्य नहीं रखा जाता है, फिर भी यह महिलाओं को आर्थिक रुप से सक्षम बनाने हेतु प्राथमिकता से ऋण उपलब्ध करा रहे हैं। यह एक अच्छी पहल है। लेकिन ऋण वितरण की यह स्थिति संतोषप्रद नहीं कहीं जा सकती, क्योंकि शोध अवधि के दौरान ऋण वितरण कार्यक्रम में प्रतिवर्ष कमी देखी गई।अगर यही स्थिति रही, तो बैंक के साथ महिलाओं को भी इससे विशेष लाभ नहीं होगा। न ही महिलाओं की आर्थिक स्थिति में कोई विशेष सुधार होगा। अतः बैंक को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए, जिससे

महिलाओं के साथ–साथ बैंक भी आर्थिक रुप से सुदृढ़ बन सकें। महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु बैंक को कुछ सुझाव प्रस्तुत किये जा रहे हैं।

- कृषक महिलओं को कृषि कार्यों की विशेष शिक्षा एवं प्रशिक्षण देना, जिससे कृषक महिलाएं कृषि की आधुनिक तकनीक व वैज्ञानिक विधियों से परिचित हो सकें।
- कृषि से संबंधित घरेलू तथा कुटीर उद्योगों में महिलाओं को प्रवेश देना चाहिए। इस हेतु महिला कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति करना चाहिए।
- महिलाओं के विकास के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों का उचित कार्यान्वयन किया जाना चाहिए।
- कृषि के अतिरिक्त अन्य व्यवसायों का भी प्रशिक्षण देना चाहिए।

अंत में कहा जा सकता है कि कृषि क्षेत्र हेतु भी महिलाकरण की आवश्यकता है। यदि सरकार और जिला विकास बैंक कृषि तथा उनसे संबंधित व्यवसायों के विकास में महिलाओं की सहायता करें तो यह ग्राम लक्ष्मियां, अन्नपूर्णा के रुप में देश को कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में अमूल्य योगदान प्रदान करेंगी।

शोध संदर्भ :–

पुस्तकें

यादव सुबह सिंह, 1992, कृषि अर्थशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स जयपुर, नई दिल्ली।

चतुर्वेदी विनायक, 2011, ग्रामीण विकास जयपुर।

दाधीच श्रीमति प्रमिला, 2009, आधुनिक समाज में कार्यशील महिलाएं, मार्क्स पब्लिशर्स, जयपुर।

भारद्वाज निधि, 2012,, महिला सशक्तिकरण, सागर पब्लिशर्स, जयपुर।

नाटाणी शोभा, 2011, भारतीय समाज और नारी (दशा एवं दिशा) मार्क्स पब्लिशर्स, जयपुर।

प्रतिवेदन एवं प्रकाशन

ऋण मेन्यूअल नर्मदा झाबुआ ग्रामीण विकास बैंक धार।

वार्षिक प्रतिवेदन नर्मदा झाबुआ ग्रामीण विकास बैंक धार।

दैनिक भास्कर एवं नवदुनिया समाचार पत्र।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-
413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com